

असाधारगा **EXTRAORDINARY**

माग II--खन्ड 3--उप-खन्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 385 No. 3851

नई विल्ली, बुधवार, विसम्बर 5, 1979/प्रप्रहायण 14, 1901 NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 5, 1979/AGRAHAYANA 14, 1901

इस भाग में भिन्न पष्ठ संस्था वृत्रि जाती हैं जिससे कि वह असग संकक्षम के रूप में रखा का सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

अधिस बनाएं

नई विल्ली, 5 दिसम्बर, 1979

सीमा-शल्क

सा. का. नि. 678(अ) . - केन्द्रीय सरकार, सीमा-शल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की भारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, यह समा-धान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसुधी के अध्याय 41 के अन्तर्गत आने वाली आर्द नील खालों और चमड़ों को, अब उनका बायात भारत में किया जाए, उन पर उदग्रहणीय समस्त उत्पाद-शलक से, जो उक्त प्रथम अनस्ची में विनिदिष्ट है, छूट देती हैं।

यह अधिस्चना 30 नवम्बर, 1980 जिसमें यह दिन भी मिम्मिलित है, तक प्रवृत्त रहेगी।

अधिस्चना सं. 232/फा. स.

355/29/79-सी श. 1]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 5th December, 1979

CUSTOMS

G.S.R. 678(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of

1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts wet blue hides and skins falling under Chapter 41 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the said First Schedule.

This notification shall be in force upto and inclusive of the 30th November, 1980.

[Notfn. No. 232/F. No. 355/29/79-Cus. I]

REGISTER ED No. D.(D.)-72

a M. DECRE

सीमा-शस्क

सा. का. नि. 679(अ) - केन्द्रीय सरकार, सीमा-शल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-भारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समा-भान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) की अधिस्थना सं. 104-सी वि., तारीख 10 मई, 1979 में निम्नलिसित और संशोधन करती है, अर्थात् :--

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, ऋम सं. 234 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित अद्भा:-स्थापित किया जाएगा, अर्थात :--

''235 सं. 232 सी. श्., तारीस 5-12-1979" 1

अधिस्वना सं. 233/फा. सं.

355/29/79-सी . भू . 13

CUSTOMS

G.S.R. 679(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962,

948 GI/79

(1407)

(52 of 1962), read with sub-section (4) of section 31 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 104-Customs dated 10th May, 1979, namely:—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 234 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

"235. No. 232-Customs dated 5-12-1979"

[Notfn. No. 233/F. No. 355/29/79-Cus. I]

सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 680(अ) . — केन्द्रीय सरकार, सीमाभूलक अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की
उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह
समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक
है, सीमा-श्लक टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51)
की प्रथम अनुसूची के अध्याय 47 के अन्तर्गत जाने वाले अपशिष्ट कागज की, जब उसका भारत में आयात कागज बनाने
में उपयोग के लिए गुदे के विनिर्माण के लिए किया जाए—

- (1) उक्त प्रथम अन्सूची के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमा-शुल्क से ; और
- (2) द्वितीय वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त अतिरिक्त गुल्क से, छूट देती है:

परन्तु यह तब जब आयातकर्ता, ऐसे प्ररूप में और ऐसी रकम के लिए, जो सहायक सीमा-श्रूलक कलक्टर विहित करें, बन्धपन्न का निष्पादन करके स्वयं को इस बाबत आबद्ध करे कि वह अपिशष्ट कागज की उतनी मान्ना की बाबत, जितनी सहा-यक सीमा-श्र्ल्क कलक्टर को समाधानप्रद रूप में पूर्वो कत प्रयोजन के लिए प्रयोग की गई प्रमाणित नहीं होती है, आयात करते समय इसमें अन्तर्विष्ट छूट के न होने पर ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय श्रूल्क के बराबर रकम की मांग की जाने पर, संदाय करेगा।

[मं. 234/फा सं. 355/194/78-सी श्. 1]

CUSTOMS

G.S.R.680(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public attents so to do, hereby exempt waste paper falling within Chapter 47 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of pulp for use in paper-making—

- (i) from the whole of the duty of customs leviable thereon under the said First Schedule; and
- (ii) from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act:

Provided that the importer shall, by the execution of a bond in such form and for such sum as may be prescribed by the Assistant Collector of Customs, binds himself to pay on demand in respect of such quantity of waste paper as is not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for the aforesaid purpose, an amount equal to the duty leviable on such quantity, but for the exemption contained herein, at the time of importation.

[No. 234/F. No. 355/194/78-Cus. 1]

सीमा-शुस्क

सा. का. कि. 681(भ) — केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1979 (1979 का 21) की धारा 31 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-इ क्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवत्त इितयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 104-सीमा- इक्क, तारीख 10 मई, 1979 में निम्निलिखित और संशोधन करती है, अर्थात :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, ऋम सं. 235 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्निलिखत अन्त:-स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

''236 सं. 234-सीमा-शुल्क, तारीस 5-12-1979''।

[सं. 235/फा. सं. 355/194/78-सी. श्. 1]

CUSTOMS

G.S.R. 681(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 31 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 104-Customs, dated 10th May, 1979, namely:—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 235 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

"236. No. 234-Customs dated 5-12-1979."

[No. 235/F. No. 355/194/78-Cus. 1] K. CHANDRAMOULI, Under Secy.

सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 682(अ) — केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1979 (1979 का 21) की धारा 31 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, सीमा-शल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अन्स्ची के

कीर्ष सं . 71.02 (1) के अन्तर्गत आने वाले अपरिष्कृत अन-गढ़ बहुमूल्य रत्नों को, जब उनका आयात भारत में किया जाए, उक्त बित्त अधिनियम की भारा 31 की उप-धारा (1) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सहायक सीमा-श्लक से छूट देती हैं।

2. यह अधिसूचना 31 मार्च, 1980 तक जिल्के अन्त-र्गत यह तारीस भी है, प्रवृत्त रहेगी।

[सं. 236/फा. सं. 355/139/79-सी. शू. 1]

के. चन्द्रमौक्षि, अवर सचिव

CUSTOMS

G.S.R. 682(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 31 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts rough uncut precious stones, falling under Heading No. 71.02(1) of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, from the whole of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-section (1) of section 31 of the said Finance Act.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st March, 1980.

[No. 236/F. No. 355/139/79-Cus. 1] K. CHANDRAMOULI, Under Secy.

	•	
,		